

मरीज प्रबंधन की जांच-सूची

क्र. सं.	जांच-सूची बिंदु	सही
1.	डैशबोर्ड में डिस्ट्रिक्ट लॉगिन से जिले के स्टाफ और TU के स्टाफ को जोड़ें।	
2.	सुनिश्चित करें की एक बार जब मरीज पंजीकृत हो जाये तो उसका TU निर्धारित अवश्य करें।	
3.	TU स्टाफ को कुछ(Some) या सभी(All) मरीजों के साथ लिंक करें ताकि SMS अलर्ट उस स्टाफ के पास पहुँच सके जिनपर मरीज की निगरानी की जिम्मेदारी है।	
4.	SMS अलर्ट की आवृत्ति स्टाफ के लिए चुनें। अनेक विकल्प मौजूद हैं। ट्रेनिंग पेज पर SMS के दिशानिर्देशों का उल्लेख किया गया है।	
5.	यदि मरीज अपना फ़ोन नंबर बदल लेता है, तो डिटेल्स पेज में जाकर उस मरीज के नंबर को अपडेट करें। डैशबोर्ड तभी हरा होगा जब कॉल पंजीकृत नंबर से किया गया हो। किसी अपंजीकृत नंबर से भी कॉल करने पर थैंक्यू सुनाई देगा लेकिन डैशबोर्ड हरा नहीं होगा।	
6.	मरीज की किसी भी सूचना के लिए उचित नोट्स और टैग्स डालें। जैसे, मरीज ने सलाह के बाद दवाई लेनी बंद कर दी है, या दवा रिएक्शन कर गया है, या दवाई उपलब्ध नहीं है। पेशेंट पेज में मरीज की सूचना के लिए आपको उपयोग करने के लिए तैयार टैग्स उपलब्ध हैं। इसे ART और RNTCP स्टाफ के बीच में मरीज की सूचना के आदान प्रदान के लिए एक प्लेटफार्म के तरह उपयोग में ला सकते हैं।	
7.	हमेशा करंट पेशेंट लिस्ट से "एन्ड डेट पासड" मरीज की जाँच करते रहे। जब "एन्ड डेट पासड" हो जाये तो उपचार परिणाम डालकर "क्लोज केस" कर दें।	
8.	वास्तविक मामलों में, अगर मरीज टोल फ्री नंबर पर कॉल नहीं कर पा रहा है, या उसके पास फ़ोन करने की सुविधा नहीं है, आप मैनुअल डोज़ डाल सकते हैं। उन परिस्थितियों में डैशबोर्ड का रंग हल्का हरा दिखाई देगा।	
9.	यदि मरीज किसी दूसरे जिले में स्थान्तरित हो जाता है तो उस केस में क्लोज या डिलीट पेशेंट नहीं करना है. पेशेंट पेज में जाकर ट्रीटमेंट सेण्टर अपडेट कर देना है।	
10.	जब भी आप मरीज की निगरानी के लिए उनके घर विजिट करते हैं तो उन्हें मोबाइल ऐप में उनका अनुपालन कैलेंडर अवश्य दिखाएं।	